Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्॥

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	Project on **Importance & Benifits of Hawan**	
Academic Session	2018-19	
Organizing Department/ Committee	Moral Education	
Total Number of Students Participated in the Project	06	
Brief Report	The Project entitled **Importance & Benefits of Hawan** was undertaken by the Department of Moral Education during the session of 2018-19 under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total 06 students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator	Signature of & Stamp of Principal

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

ओ३म्

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
1	Nisha Prajapati	B .com	B.Com lll
2	Heena Dhanwani	B.com	B.Comll
3	Rupa Tiwari	B.com	B. Com l
4	Neha Gokhle	B .A	B.A lll
5	Chandni Parde	B. A	B.A ll
6	Shimanjali Gupta	B .A	B.A l

Front Page of Project

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAY

NAGPUR JARIPATKA

Moral Education

PROJECT ON - Importance &

Benifits of Hawan

CLASS- B. Com IIyear

SESSION-2018-19

PROJECT SUBMISSION BY -

Nisha. V. Prajapati

ओ३म्

ARYA VIDYA SABHA'S
AND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA
Jaripatka, Nagpur.

Moral Education Project

Organised By

Department of Moral Education

CERTIFICATE

This is to certify that the project Work in the subject Moral Education entitled Importance & benifits of hawan .has been successful completd by Ku. Nisha Virbhavan Prajapati of B.Com ll year during the Academic session 2018-19 Hence the certificate is awarded to her.

Co-Ordinator
Mrs Anita Sharma
Dept. of Music
DAKM, Nagpur

Principal .
Dr. Shraddha Anilkumar
DAKM, Nagpur

Project Copy

Page No.____
Date __/__/__

1) परियोजना चयन या विषय चयन :-

होम, हवन या यज्ञ वैदिक परंपरा या हिंदु धर्म में शुद्धिकरण का एक अनुष्ठान है। अग्निकुण्ड में तंत्र - मंत्र के उच्चारण के साथ अग्नि को प्रस्थापित करके ईश्वर की उपासना करने की प्रक्रिया को यज्ञ कहते हैं। हवि, हव्य अथवा हविष्य वे पदार्थ हैं जिनको अग्नि में आहुति दी जाती है (जो अग्नि में समर्पित किये जाते हैं)।

हवन आहुति महत्वपूर्ण गोघृत है। गोघृत में वह शक्ति है, जिससे जल - वायु में मिले विष का तत्काल विनाश हो जाता है। जब गोघृत को चावल के साथ मिश्रित करके यज्ञ में आहुति डाली जाती है, तो इससे एसिटलीन नामक तत्व उत्पन्न होता है, जो कि प्रदूषित वायु को अपनी तरफ खींचकर शुद्ध कर देता है।

हवन से वातावरण शुद्ध होता है और बैक्टीरिया खत्म होते हैं। एक अनुसंधानिक रिपोर्ट के अनुसार फ्रांस के ट्रेले नामक वैज्ञानिक ने

2 परियोजना के उद्देश्य :-

हवन का उद्देश्य वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करके वातावरण को शुद्ध करना है। हवन के माध्यम से ही पर्यावरण के विभिन्न घटकों में प्राकृतिक और भौतिक संसाधनों के साथ जैव विविधता की भी सुरक्षा की जाती है। मानव जीवन के कल्याण में हवन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

हवन में प्र० प्रयुक्त घी तथा जल, समिधा व सुगन्धित द्रव्य किया शुद्धि के लिए छोड़ा जाता है। जो अपने श्रेष्ठ गुणों से वातावरण को शुद्ध बनाती है।

3] परियोजना का महत्व :-

हवन से जो धुआं निकलता है, उससे वायुमंडल शुद्ध होता है। हवन में इस्तेमाल होने वाली सामग्री सेहत के लिए अत्यंत ही फायदेमंद होती है। इसमें गाय के गोबर से बने कंडे का इस्तेमाल भी किया जाता है। हवन करने से कई प्रकार की बिमारियों से बचा जा सकता है, क्योंकि इसमें लगभग 94 प्रतिशत हानिकारक जीवाणु नष्ट करने की क्षमता होती है।

ग्रंथों में अनेक तरह के यज्ञ और हवन बताए गए हैं जिनका शुभ प्रभाव न केवल व्यक्ति बल्कि वायुमंडल को भी लाभ पहुंचाता है। अनेक वैज्ञानिक शोधों से स्पष्ट हुआ है कि हवन और यज्ञ के दौरान बोले जाने वाले मंत्र, प्रज्जवलित होने वाली अग्नि और धुंए से होने वाले अनेकों प्राकृतिक लाभ मिलते है, जो

5] परियोजना का निरीक्षण :-

महाविद्यालय के प्रांगण में हवन की सामग्री इकट्ठा करके। पूर्ण विधी अनुसार, मंत्रों का उच्चारण करके हवन कुंड में सभी देवी-देवताओं के नाम की आहुति देकर हवन भलीभांती संपन्न किया गया।

प्राचार्या जी ने पर्यावरण प्रदूषण के लिए हवन का महत्व बताते हुए कहा, पर्यावरण में मिश्रित रोगाणुओं का हवन के धुए से नाश होता है। चित शांत रहता है। मनुष्य के रोग प्रतिरोधक क्षमता में अभिवृद्धी होती है। हवन से मन व बुद्धि निर्मल होती है।

यथार्थ हवन संपर्ण संपन्न होने पर आंतम शांती का आभास हुआ। सभी ने पर्यावरण प्रदूषण मुकती के लिए प्रार्थना की।

Page No.
Date / /

6] परियोजना का विश्लेषण :-

औषधीय युक्त हवन सामग्री से हवन - यज्ञ करने से पर्यावरण शुद्ध होगा, वहीं वायरस का संक्रमण भी नष्ट हो जाएगा। अनेक वैज्ञानिकों एवं धर्मगुरूओं ने कोरोना महामारी पर नियंत्रण पाने के लिए एवं वातावरण की शुद्धि के लिए हवन यज्ञ का अद्भुत लाभ बताया है।

जिस स्थान पर हवन किया जाता है, वहाँ उपस्थित लोगों पर तो उसका सकारात्मक असर पड़ता ही है, साथ ही वातावरण में मौजूद रोगाणु और विषाणुओं के नष्ट होने से पर्यावरण भी शुद्ध होता है, शरीर स्वस्थ रहता है।